आनंदालय

विद्या सर्वार्थ साधिका

सामयिक परीक्षा – 2

कक्षा : सातवीं

विषय : हिंदी | अधिकतम अंक : 50

दिनांक : 15-09-2025 | निर्धारित समय : 2 घंटे

सामान्य निर्देश :-

1. यह प्रश्न पत्र चार खण्डों में विभक्त है : 'क', 'ख', 'ग' और 'घ'
2. प्रश्नपत्र में कुल आठ प्रश्न हैं |
3. प्रश्नोत्तर क्रमशः लिखे जाने चाहिए |
4. बहुविकल्पीय प्रश्नों की क्रम संख्या व चयनित उत्तर पूर्ण व स्पष्ट रूप से लिखना आवश्यक है |
5. लिखावट सुंदर और स्पष्ट होनी चाहिए |

खंड- 'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश के नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

मनुष्य की हार और जीत मन की स्थिति पर निर्भर करती है | यदि मन परास्त हो जाता है तो मनुष्य को पराजय मिलती है | इसके विपरीत यदि सबल हो तो हारी हुई बाजी भी जीती जाती है | स्पष्टत: मनुष्य की सच्ची शक्ति उसके मन में छिपी होती है | मन की रुचि शक्ति रूप में काम करती है | वास्तव में मन में इच्छा शक्ति होती है | शक्ति को तीन भागों में विभाजित किया गया है - शारीरिक शक्ति, मानसिक शक्ति और आत्मिक शक्ति | यहाँ हमारा प्रतिपाद्य शारीरिक और मानसिक शक्ति से है| संसार के सभी देशों के मनुष्य शारीरिक शक्ति में समान होते हैं परंतु जहाँ प्रश्न उठता है मनोबल या मानसिक शक्ति का, वहाँ प्रत्येक मनुष्य में अंतर पाया जाता है | शरीर तो एक यंत्र है जिस पर भौतिक तत्व अपना प्रभाव डाल इसे कमजोर कर सकते हैं, परन्तु मन, तन को शक्ति प्रदान करता है | जब हम महापुरुषों के जीवन-चरित पढ़ते हैं तो हमें आश्चर्य होता है कि इन महापुरुषों में ऐसी कौन-सी असाधारण शक्ति थी जिससे इन्होंने ऐसे कल्पनातीत कार्य कर दिखाए| विचार करने पर ज्ञात होता है कि इन लोगों में मनोबल था | इनकी मानसिक शक्ति प्रबल थी जो इन्हें असाधारण लोगों की पंक्ति में लाकर खड़ा कर देती है |

(i) सभी देशों में शारीरिक शक्ति समान होने पर भी व्यक्ति असमान क्यों माने जाते हैं ? (1)

(क) उनके संस्कार अलग होते हैं | (ख) उनका आर्थिक स्तर अलग होता है |

(ग) उनकी मानसिक शक्ति अलग-अलग होती है | (घ) उनकी शिक्षा अलग होती है |

(ii) शक्ति को तीन भागों में बाँटा गया है'- इसका गहरा आशय क्या है ? (1)

(क) मनुष्य केवल शरीर से ही शक्तिशाली बनता है

(ख) शक्ति का मूल केवल साधनों में है |

(ग) आत्मिक शक्ति का कोई महत्त्व नहीं

(घ) वास्तविक सफलता के लिए शारीरिक और मानसिक शक्ति दोनों आवश्यक हैं |

(iii) गद्यांश में से कौन-सा मूल्य सबसे स्पष्ट रूप से प्रकट होता है ? (1)

(क) मित्रता का महत्व (ख) मनोबल और आत्मविश्वास का महत्व

(ग) शारीरिक परिश्रम का महत्व (घ) धन का महत्व

(iv) महापुरुषों के जीवन चरित पढ़ने से क्या निष्कर्ष निकलता है ? (2)

2. निम्नलिखित पद्यांश के नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

दूर दूर दूर...मैं सेतु हूँ, किन्तु शून्य से शून्य तक का सतंरगी सेतु नहीं, वह सेतु, जो मानव से मानव का हाथ मिलने से बनता है, जो हृदय से हृदय को, श्रम की शिखा से श्रम की शिखा को, कल्पना के पंख से कल्पना के पंख को, विवेक की किरण से विवेक की किरण को, अनुभव के स्तंभ से अनुभव के स्तंभ को मिलाता है	जो मानव को एक करता है, समूह का अनुभव जिस की मेहराबें हैं और जन-जीवन की अजस्र प्रवाहमयी नदी जिसके नीचे से बहती है मुड़ती, बल खाती, नये मार्ग फोड़ती, नये कगारे तोड़ती, चिर परिवर्तनशीला, सागर की ओर जाती, जाती, जाती... मैं वहाँ हूँ-दूर, दूर, दूर *(अजस्र - निरंतर)

(i) कवि ने जिस 'सेतु' की कल्पना की है, वह किस बात का प्रतीक है ? (1)
(क) भौतिक निर्माण और वास्तुकला का
(ख) मानव और प्रकृति के मेल का
(ग) मानव-मानव के बीच आपसी सहयोग और एकता का
(घ) आध्यात्मिक और भौतिक लोक का

(ii) 'अनुभव के स्तंभ से अनुभव के स्तंभ को' पंक्ति में कवि ने किस बात पर बल दिया है ? (1)
(क) केवल कल्पना की शक्ति पर (ख) अनुभव को समाज की आधारशिला मानने पर
(ग) श्रम की निरर्थकता पर (घ) नदी की गति पर

(iii) कविता में 'समूह के अनुभव की' किससे तुलना की गई है ? (1)
(क) नदी की धारा से (ख) सेतु की मेहराब से
(ग) पर्वत की ऊँचाई से (घ) आकाश की विशालता से

(iv) कवि ने नदी को 'चिर परिवर्तनशीला' क्यों कहा है ? (2)

खंड- 'ख'

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार दीजिए - (12x1=12)

(i) 'करेले में <u>कड़वापन</u> होता है ।' (रेखांकित संज्ञा का भेद बताइए)

(ii) 'अनिश्चयवाचक सर्वनाम' के दो उदाहरण लिखिए ।

(iii) 'अवधारणा, पहनावा' (शब्दों में से उपसर्ग और प्रत्यय छाँटिए)

(iv) 'आज मैंने ज़्यादा खाना खा लिया ।' (विशेषण का भेद बताइए)

(v) 'बाहर बारिश हो रही है ।' (क्रिया का भेद बताइए)

(vi) 'राधा ने अवकाश हेतु पत्र लिखा ।' (कारक का भेद बताइए)

(vii) 'तिल का ताड़ बनाना' (मुहावरे का अर्थ बताइए)

(viii) जीवन में सुख दुख तो चलता ही रहता है (उचित विराम चिह्न लगाकर वाक्य पुनः लिखिए)

(ix) यथा + इष्ट = यथेष्ट (संधि का भेद बताइए)

(x) 'लघूत्तर' (संधि विच्छेद कीजिए)

(xi) 'घुड़दौड़' (समास विग्रह करते हुए समास का भेद बताइए)

(xii) 'रात और दिन' (समस्त पद बनाइए)

खंड- 'ग'

4. निम्नलिखित पद्यांश के नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए - (4x1=4)

आकाश का साफ़ा बाँधकर — पास ही दहक रही है
सूरज की चिलम खींचता — पलाश के जंगल की अँगीठी
बैठा है पहाड़, — अंधकार दूर पूर्व में
घुटनों पर पड़ी है नदी चादर-सी, — सिमटा बैठा है भेड़ों के गल्ले-सा

(i) 'घुटनों पर पड़ी है नदी चादर-सी' – इस पंक्ति में नदी की तुलना किससे की गई है ?
(क) दुपट्टा (ख) चादर (ग) रेशमी वस्त्र (घ) मोती की माला

(ii) 'पलाश के जंगल की अँगीठी' से क्या तात्पर्य है ?
(क) पलाश के पेड़ जल रहे हैं
(ख) पलाश के फूल लाल अग्नि जैसे प्रतीत हो रहे हैं
(ग) पहाड़ पर सूरज की रोशनी पड़ रही है ?
(घ) जंगल में आग लगी है

(iii) अंधकार की तुलना किससे की गई है ?
(क) ऊँटों के कारवाँ से (ख) बादलों के झुंड से
(ग) भेड़ों के गल्ले-से (घ) पहाड़ों की कतार से

(iv) कवि ने इस पद्यांश में प्रकृति को मानवीकरण रूप में क्यों प्रस्तुत किया है ?
(क) प्रकृति को जीवंत व आत्मीय बनाने के लिए (ख) वैज्ञानिक तथ्य बताने के लिए
(ग) अलंकार दिखाने के लिए (घ) कहानी रचने के लिए

5. निम्नलिखित गद्यांश के नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए - (5x1=5)

यानी हम पाते हैं कि एक ओर तो स्थानीय व्यंजनों में कमी आई है, दूसरी ओर वे ही देसी-विदेशी व्यंजन अपनाए जा रहे हैं, जिन्हें बनाने-पकाने में सुविधा हो । जटिल प्रक्रियाओं वाली चीज़ें तो कभी-कभार व्यंजन-पुस्तिकाओं के आधार पर तैयार की जाती हैं । अब शहरी जीवन में जो भागमभाग है, उसे देखते हुए यह स्थिति स्वाभाविक लगती है । फिर कमरतोड़ महँगाई ने भी लोगों को कई चीज़ों से धीरे-धीरे वंचित किया है । जिन व्यंजनों में बिना मेवों के स्वाद नहीं आता, उन्हें बनाने-पकाने के बारे में भला कौन चार बार नहीं सोचेगा !

खानपान की जो एक मिश्रित संस्कृति बनी है, इसके अपने सकारात्मक पक्ष भी हैं । गृहिणियों और कामकाजी महिलाओं को अब जल्दी तैयार हो जाने वाले विविध व्यंजनों की विधियाँ उपलब्ध हैं ।

(i) स्थानीय व्यंजनों में कमी क्यों आई है ?
(क) लोग पसंद नहीं करते| (ख) बनाने में अधिक समय और मेहनत लगती है |
(ग) वे स्वादिष्ट नहीं होते| (घ) लोग विदेशी व्यंजन अधिक स्वादिष्ट मानते हैं |

(ii) जटिल प्रक्रियाओं वाले व्यंजन अब कैसे बनाए जाते हैं ?
(क) बिल्कुल नहीं बनाए जाते |
(ख) रोज़मर्रा में बनाए जाते हैं |
(ग) कभी-कभार व्यंजन-पुस्तिकाओं की सहायता से बनाए जाते हैं |
(घ) बाहर से मँगाए जाते हैं |

(iii) गृहिणियों और कामकाजी महिलाओं के लिए क्या सुविधा उपलब्ध हुई है ?
(क) पारंपरिक व्यंजनों का संरक्षण (ख) जल्दी बनने वाले विविध व्यंजनों की विधियाँ
(ग) बाहर से भोजन मँगाने की आदत (घ) मेवों से युक्त भोजन

(iv) शहरी जीवन में लोग किस प्रकार के व्यंजन अधिक अपनाते हैं ?

(क) जल्दी बनने वाले व्यंजन (ख) जटिल व्यंजन

(ग) मेवों वाले व्यंजन (घ) पारंपरिक व्यंजन

(v) गद्यांश में महँगाई का क्या असर बताया गया है ?

(क) लोग अधिक विदेशी व्यंजन अपनाने लगे (ख) मेवों वाले व्यंजन कम बनने लगे

(ग) लोग अधिक भोजन करने लगे (घ) बाजार में व्यंजन उपलब्ध नहीं रहे

6. निम्नलिखित चार में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए - (3x3=9)

(i) एकांकी 'पापा खो गए' के अंतिम दृश्य में पेड़, खंभा, लैटरबक्स और कौआ उस छोटी लड़की के लिए क्या योजना बनाते हैं ?

(ii) रहीम जी के अनुसार धरती से हमें किस प्रकार की सीख लेनी चाहिए ?

(iii) 'अपूर्व अनुभव' पाठ से आपको क्या शिक्षा मिलती है ?

(iv) खानपान की मिश्रित संस्कृति के विकसित होने के क्या कारण हैं ? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए|

खंड- 'घ'

7. (क) पर्यावरण प्रदूषण के विषय में छात्र और शिक्षक के बीच में हुई बातचीत को लगभग 100 से 120 शब्दों में संवाद शैली में लिखिए । (5)

अथवा

(ख) माता-पिता और बच्चे के बीच मोबाइल के अधिक प्रयोग की बातचीत को लगभग 100 से 120 शब्दों में संवाद शैली में लिखिए ।

8. (क) रेलगाड़ी में यात्रियों की असुविधाओं के समाधान हेतु रेलवे प्रबंधन को लगभग 80-100 शब्दों में पत्र लिखिए | (5)

अथवा

(ख) विद्यालय के प्रधानाचार्य को पारिवारिक कारणों हेतु चार दिनों के अवकाश के लिए लगभग 80-100 शब्दों में पत्र लिखिए |